2015-16 की प्रमुख उपलब्धियां

- सीएमपीडीआई ने वर्ष 2015-16 के दौरान गवेषण के क्षेत्र में नया रिकॉर्ड दर्ज किया। सीएमपीडीआई ने विभागीय संसाधन तथा आउट सोर्सिंग के जरिए गत वर्ष के 8.28 लाख मीटर ड्रिलिंग की तुलना में 20 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए वर्ष 2015-16 के दौरान 9.94 लाख मीटर की सर्वकालीन अधिक ड्रिलिंग हासिल किया। विभागीय ड्रिलों तथा अधिक कार्य-निष्पादन वाले बिटों को शामिल कर गत वर्ष की तुलना में 14 प्रतिशत वृद्धि दर्ज करते हुए 4.08 लाख मीटर ड्रिलिंग किया जो आज की तिथि तक एक वर्ष में सबसे अधिक है।
- सीएमपीडीआई तथा इसकी एजेंसियों द्वारा 17 भू-वैज्ञानिक रिपोर्ट तैयार की गई है जिसके द्वारा 5.5 बिलियन टन कोयला संसाधन को ''प्रमाणित श्रेणी'' में स्थापित किया गया जो कि पिछले 10 वर्षों में सर्वाधिक है। साथ ही ''इंडिकेटेड'' तथा ''इनफर्ड श्रेणी'' में लगभग 1.03 बिलियन टन अतिरिक्त कोयला संसाधन स्थापित करने वाली 3 भू-वैज्ञानिक रिपोर्ट तैयार की गई।
- सर्वे ऑफ़ इंडिया द्वारा उपलब्ध कराए गए नये टोपोशीट पर बड़े कोयला क्षेत्रों के लिए ब्लॉक बाउण्ड्री मुद्दे को हल करने के लिए डीजीपीएस सर्वेक्षण / डब्ल्यूजीएस-84 रूपांतरण कार्य पूरा कर लिया गया है। विभिन्न कोयला क्षेत्रों के डब्ल्यूजीएस कनवर्टेट ब्लॉक पर भू-वैज्ञानिक विशेषताओं को शामिल करने का कार्य शुरू कर दिया गया।
- जीसीवी के अनुसार गुणवत्ता मुद्दे को पता लगाने के लिए घरेलू शाफ्टवेयर सेम्पजिओडाक (CEMPGEODOC) को परिवर्द्धित किया गया है। भू-वैज्ञानिक लोगो के जरिए क्वालिटी एवं लिथोलाजिकल इन्टरप्रेटेशन के लिए सेसलिंट (SASLINT) शाफ्टवेयर को क्षेत्रीय संस्थान स्तर पर नियमित किया जा रहा है।
- संरचना को डेसिफर करने तथा ब्लाॅकों का भू-वैज्ञानिक व्याख्या (जिओलाजिकल इंटरप्रेटेशन) में सहायता करने के लिए एचआरएसएस (2डी सिसमिक) सर्वेक्षण किया जा चुका है। इन ब्लॉकों में लगभग 80 लाइन किलोमीटर सिसमिक डाटा एकत्र किया जा चुका है।
- प्रोमोशनल योजना के तहत ईब वैली कोयला क्षेत्र के बेलपहार ब्लॉक में 3-डी सिसमिक सर्वे हेतु सीएमपीडीआई ने एनजीआरआई के साथ टाई-अप किया है। सीएमपीडीआई के सहयोग से एनजीआरआई ने 3डी सिसमिक सर्वे के आंकड़ा अधिग्रहण का कार्य पूरा कर लिया है तथा

लगभग 10 कि0मी0 क्षेत्र कवर किया गया है। इसके बाद आंकड़ा संसाधन तथा प्रतिपादन (इंटरप्रेटेशन) एनजीआरआई, हैदराबाद में किया जाएगा।

- लगभग 96 मिलियन टन प्रतिवर्ष की क्षमता वृद्धि वाली 26 परियोजना रिपोर्ट भी तैयार की जा चुकी है। देश में अधिकतम क्षमता वाली खान गेवरा ओसी विस्तारण (70.0 एमटीवाई) के लिए परियोजना रिपोर्ट तैयार की गई है।
- 50 पर्यावरणिक प्रबंधन योजना (ईएमपी) (16 फार्म-1 सहित) तैयार की जा चुकी है।
- 6 आरएंडडी तथा एसएंडटी परियोजना पूरी की जा चुकी है। इसके लिए 22.46 करोड़ रूपये का कोष वितरित किया गया।
- हाई रिजोल्यूशन सैटेलाइट डाटा के आधार पर कोल इंडिया लिमिटेड की 5 मिलियन घनमीटर से अधिक उत्पादन (कोयला और ओबी) क्षमता वाली 50 खुली खनन परियोजनाओं तथा 5 मिलियन घनमीटर से कम उत्पादन (कोयला और ओबी) क्षमता की 37 खुली खनन परियोजना की भूमि पुनरूद्धार मॉनिटरिंग की गई।
- 6 कोयला क्षेत्र जैसे कर्णपूरा, ईस्ट बोकारो, वेस्ट बोकारो, सिंगरौली, कोरबा तथा बंदेर की वनस्पति आच्छादन मानचित्रण का कार्य पूरा किया गया।
- हाई रिजोल्यूशन सैटेलाइट आंकड़ा के आधार पर सिंगरौली कोयला क्षेत्र के जयंत, दुधिचुआ, बीना, ककरी, तथा ब्लॉक बी परियोजना में भूमि अधिग्रहण अधिसूचना के पहले से बनी संरचनाओं की पहचान की गई।
- एसईसीएल की 12 पट्टों (लीजों) के लिए ''जिओ रेफरेसिंग ऑफ़ माइन लीज बाउंड्री (एमसीआर तथा एमएमआरडी के तहत) एंड ओवरलेईंग ऑन कैडस्ट्रल एचआरएस डाटा'' के लिए डीजीपीएस सर्वेक्षण कार्य पूरा कर लिया गया।
- काम्पती कोलफील्ड्स, डब्ल्यूसीएल के लिए उपग्रह आंकड़ा आधारित समेकित जल संसाधन प्रबंधन (वार्म) की रिपोर्ट तैयार कर ली गई।
- सीएमपीडीआई ने अपने तीन क्षेत्रीय संस्थानों (आरआई-1, 2 एवं 3) में सूचना सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली के सफल कार्यान्वयन के लिए जनवरी, 2016 में आईएसओ 27001 सर्टिफिकेशन प्राप्त किया।
- क्षेत्रीय संस्थान-4 एवं 5 में स्थित पर्यावरणिक प्रयोगशालाओं के लिए ओएचएसएएस 18001 मैनेजमेंट सिस्टम के लिए अंतरिम सर्टिफिकेट प्राप्त किया गया।

- आसपास के घरों तथा प्रमुख संरचनाओं को बचाने तथा बंद पड़े कोयला को सुरक्षित रूप से निकालने के लिए कोल इंडिया लिमिटेड की 23 विभिन्न खानों में नियंत्रित विस्फोटन का अध्ययन किया गया।
- कोल इंडिया के खनन लीजहोल्ड क्षेत्र के भीतर सीएमएम के व्यावसायिक विकास के लिए रानीगंज कोयला क्षेत्र, ईसीएल में 57 वर्ग कि0मी0 का क्षेत्र चिन्हित किया गया है जिसकी परियोजना रिपोर्ट तैयार की जा रही है।
- पीएसयू के द्वारा यूसीजी के विकास के लिए 7 कोयला खनिखंडों की पहचान की गई है, जिस पर आईएमसी द्वारा विचार किया जा रहा है।
- सीएसआईआरओ, आस्ट्रेलिया के साथ वीएएम के मिटिगेशन और उपयोग के लिए परियोजना शुरू की गई है।
- कोल इंडिया के लिए मानव संसाधन सूचना प्रणाली के अधीन निम्नलिखित मॉड्यूल का विकास किया गया:
    - कोल इंडिया तथा इसकी अनुषंगी कम्पनियों के लिए सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी सेवाएं उपलब्ध कराई गई।
        - अधिकारियों के लिए ऑन लाइन ट्रांसफर अनुरोध मॉड्यूल
        - ऑन लाइन मेंटर-मेंटी (शिक्षक-छात्र) मॉड्यूल
        - ऑन लाइन के-माइनिंग (नॉलेज माइनिंग) मॉड्यूल
        - ऑन लाइन कर्मचारी सुझाव मॉड्यूल
    - कोल इंडिया के लिए ऑन लाइन बैंक कार्ड रेट सिस्टम का विकास। यह ऑन लाइन सिस्टम कोल इंडिया लि0 की स्क्रूटनी के लिए जमा की गई राशि के ब्याज दर को अपलोड करने में बैंकों को सुविधा प्रदान करती है।
    - कोल इंडिया के लिए सतर्कता स्वीकृति/ मॉनिटरिंग प्रणाली का विकास।
    - लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम के तहत कर्मचारियों के लिए एनुअल प्रापर्टी रिटर्न सिस्टम लागू किया गया है।
- कोल इंडिया से बाहर के संगठनों का परामर्शी सेवा:
    - सीएमपीडीआई ने पिछले वर्ष की तुलना में 239 प्रतिशत वृद्धि दर्ज करते हुए 28 संगठनों से 39.37 करोड़ रूपये का कार्य प्राप्त किया है जो आज की तिथि तक एक वर्ष में प्राप्त कार्यों में सबसे अधिक है। इसमें कोयला मंत्रालय द्वारा अग्रसारित कोयला एवं लिग्नाइट

ब्लाॅकों के लिए माइनिंग प्लान तथा माइन क्लोजर प्लान पर टिप्पणी देने हेतु कोयला मंत्रालय से प्राप्त परामर्शी कार्य भी शामिल है।

- 9.8 करोड़ मूल्य का कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर एनएमडीसी, पीएसपीसीएल, डब्ल्यूएपीसीओएस लिमिटेड, कोयला मंत्रालय, एमओआईएल, महाजेनको, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड, टाटा स्टील, वेस्ट बोकारो कोलियरीज, भारत अल्यूमिनियम कम्पनी लिमिटेड, जय प्रकाश पावर वेंचर लिमिटेड, टीवीएनएल, अदानी पावर लिमिटेड, आदि जैसे ग्राहकों को सौंप दिया गया है।
- कुछ प्रमुख/बड़े कार्य प्राप्त किए गए है, वे हैंः डीवीसी बेरमो माइन के पट्टेवाले क्षेत्र में स्थित सभी सीमों का विस्तृत गवेषण तथा भू-वैज्ञानिक रिपोर्ट की तैयारी, मेसर्स जीएसईसीएल के गारे पेलमा सेक्टर-1 ब्लॉक के लिए खनन योजना तथा परियोजना रिपोर्ट की तैयारी, मेसर्स एमपी पावर जेनरेटिंग कम्पनी लिमिटेड (एमपीपीजीसीएल) के गोंद-बहेरा उझेनी कोयला ब्लॉक के लिए खनन योजना तथा परियोजना रिपोर्ट की तैयारी और मेसर्स एनटीपीसी की पकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना में ओजीएल (डैटम) सर्वेक्षण तथा उत्खनन माप सर्वेक्षण।

- प्रयोगशालाओं के परीक्षण तथा अंशशोधन (कैलिब्रेशन) के लिए नेशनल एक्रीडिशन बोर्ड (एनएबीएल) द्वारा सीएमपीडीआई के पर्यावरणिक प्रयोगशाला का सर्विलांस असेसमेंट किया गया। विवेच्य वर्ष के दौरान, क्वालिटी काउन्सिल ऑफ़ इंडिया, नई दिल्ली (क्यूसीआई) द्वारा पर्यावरणिक प्रभाव मूल्यांकन/पर्यावरणिक प्रबंधन योजना (ईआईए/ईएमपी) परामर्शी संगठन के रूप में सीएमपीडीआई को पुनः मान्यता प्रदान की गई।

- 15 नए कोल वाशरियों की स्थापना से संबंधित कार्यों में कोल इंडिया की अनुषंगी कम्पनियों को तकनीकी सहायता उपलब्ध कराई गई। निविदाकरण प्रक्रिया को यथाशीघ्र करने तथा रिकॉर्ड समय में एल-1 बिडर (बोलीकर्ता) की पहचान करने के लिए ई-टेंडरिंग मोड को अपनाया गया। इन 15 वाशरियों में से 6 वाशरियों के लिए ई-टेंडर मोड में निविदा दस्तावेज सफलतापूर्वक जारी किया गया।

- ''भारत में ड्रैगलाइन डम्प प्रोफाइल पर एक हैंडबुक'' नामक पुस्तक प्रकाशित की गई है तथा ''हैंडबुक ऑफ़ कोल पेट्रोलॉजी नामक एक अन्य पुस्तक की छपाई जारी है।

- सीएमपीडीआई में ई- ऑफिस कार्यान्वित किया गया । एनआईसी द्वारा विकसित डिजिटल प्लेटफार्म 'ई- ऑफिस के जरिए फाइल ट्रैकिंग तथा डिस्पैच का कार्य 6 नवम्बर, 2015 से चालू हो गया है जिसका उद्घाटन श्री अनिल राजदान, पूर्व सचिव (ऊर्जा), भारत सरकार ने किया।

विदेश के प्रतिष्ठित व्यक्तिओं द्वारा सीएमपीडीआई का दौरा:

- अमेरिकी पर्यावरणिक संरक्षण एजेंसी (यूएसईपीए) के प्रतिनिधि सुश्री फेलिसिया ए रूइज, क्लाइमेंट चेंज डिवीजन, यूएस इनवायरमेंटल प्रोटेक्शन एजेंसी, वाशिंगटन डीसी ने श्री जोनाथन केलाफैंट के साथ दिनांक 09-11 फरवरी, 2016 को सीएमपीडीआई (मुख्यालय) का दौरा किया। भारत के अपने भ्रमण यात्रा के दौरान उनके द्वारा सीएमएम/सीबीएम क्लीयरिंग हाउस का निरीक्षण किया गया तथा इसकी यूएसईपीए द्वारा प्रशंसा/सराहना की गई।
- कांसुलेट जनरल श्री क्रेग एच0 हाल के नेतृत्व में कोलकाता से अमेरिकी वाणिज्यदूत के एक दल ने दिनांक 26 फरवरी, 2016 को सीएमपीडीआई का दौरा किया और उन्होंने इंडो-यूएस कोल वर्किंग ग्रुप के तहत चल रहे परियोजनाओं की संवीक्षा/समीक्षा की तथा इस मामले पर आवश्यक सहायता का आश्वासन दिया।

सीएसआर:

सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा सीएसआर करने के लिए कंपनी अधिनियम के तहत अनिवार्य किया गया है। वर्ष 2015-16 के दौरान निम्नलिखित प्रमुख क्रिया-कलाप संपादित किए गएः-

1. के0सी0 राय मेमोरियल चेरिटेबल हास्पिटल को चिकित्सकीय उपकरण के लिए वित्तीय सहायता।
2. नेत्रहीन विद्यार्थियों के लिए ब्रज किशोर नेत्रहीन बालिका विद्यालय को वित्तीय सहायता।
3. स्वतंत्रता-दिवस, गणतंत्र-दिवस, वार्षिक दिवस एवं खेलकूद दिवस आदि जैसे समारोह मनाने के लिए विभिन्न स्कूलों को वित्तीय सहायता।

4. कोसला ग्राम, उड़ीसा में कल्याण मंडप का निर्माण।
5. झारखंड के विभिन्न स्कूलों में डेस्क, बेंच, खेलकूद सामग्री का वितरण।
6. 4 प्रसाधनों का निर्माण: (1) सरकारी माध्यमिक विद्यालय, खम्तराई में (2) सरकारी माध्यमिक विद्यालय, नागपुरा (3) सरकारी बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, चक्रभाटा और (4) सरकारी बालक उच्च माध्यमिक विद्यालय, चक्रभाटा, बिलासपुर, छत्तीसगढ़।

खेल:

- दिसम्बर, 2015 माह में सीएमपीडीआई में तीन दिवसीय ''कोल इंडिया अंतर-कम्पनी शतरंज प्रतियोगिता'' एवं ''सीएमपीडीआई अंतर -क्षेत्रीय संस्थान अथलेटिक मीट'' का आयोजन किया गया।

***